12 / 12 / 79 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

रूहानी अलंकार और उनसे सजी हुई मूर्त अनुभव करना

➢➢ रुहानी अलंकारों का अनुभव करना

➳ _ ➳ अपने सामने देख रही हूं सम्पूर्ण फरिश्ता स्वरुप

➳ _ ➳ ब्रह्मा बाबा और भृकुटि मे चमकते शिव बाबा को

→ बाबा के नयनों से मस्तक से

→ आती चमकती किरणों से

→ हो रहा है श्रृंगार मुझ आत्मा का

→ एक एक अलंकार से सज रही हूं

◆ सुंदर मूर्त बन रही हूं

◆ सजी सजाई

● अलंकारधारी मूर्त बन रही हूं

➳ _ ➳ सुंदर छत्रछाया का अनुभव

→ मैं आत्मा बाबा की छत्रछाया में हूं

◆ माया के वार से

◆ बाहरी वायुमंडल से

◆ व्यक्ति वैभव से

◆ स्वभाव संस्कार के वार से सेफ हूं

● क्योकि बेहद की छत्रछाया है

→ असीम सुख शांति का अनुभव कर रही हूं

→ रुहानी छाछाया मे हर कार्य करती हूं

◆ रुहानी नूर

◆ रूहानी शीतलता

◆ रूहानी आनन्द का अनुभव कर रही हूं

● ये छत्रछाया ही भविष्य राजाई पद का अनुभव कराने वाली है

➢➢ डबल ताजधारी का अलंकार

➳ _ ➳ मैं आत्मा डबल ताजधारी हूं

➳ _ ➳ मैं परम पवित्र आत्मा हूं

→ लाइट का ताज प्योरिटी का ताज से

◆ चारों ओर प्रकाश फैल रहा है

→ मनसा वाचा कर्मणा की प्योरिटी से

◆ ताज की लाइट बढती जा रही है

➳ _ ➳ मैं आत्मा विश्वकल्याणकारी हूं

→ विश्वकल्याण की सेवा की

→ जिम्मेवारी का ताज मेरे सिर पर है

→ सर्व आत्माओं के प्रति

→ शुभ भावना और शुभ कामना

→ कल्याण की भावना होने से

◆ ताज की चमक बढती जा रही है

● फराखदिल होकर सबको देती जा रही हूं

→ सेवा की जिम्मेवारी को

→ निमित समझ निभाने से

◆ दुआओं की लिफ्ट से सहज आगे बढती जा रही हूं

◆ ताज की चमक बढती जा रही है

● कितना लुभावना है डबल ताज !!

➢➢ तख्तनशीं अलंकार से अलंकृत होता अनुभव करना

➳ _ ➳ मैं आत्मा बाप की दिलतख्तनशीं हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा बाप के समीप हूं

→ समीप होने से बाबा की मुरब्बी बच्ची हूं

→ बाबा के दिल पर राज करती हूं

→ सच्चाई और सफाई से सब बाबा को बताती हूं

◆ सच्चे दिल पर साहिब राजी

→ याद रुपी कवच पहन सदा

◆ दिलतख्तनशीं रहती हूं

● अतीन्द्रिय सुख के झूले मे झूल रही हूं

➢➢ स्वदर्शन चक्र से अलंकृत होना

➳ _ ➳ मैं आत्मा स्वदर्शन चक्रधारी हूं

→ मैं आत्मा चलते फिरते

→ स्वदर्शन चक्र फिराती रहती हूं

→ पांच स्वरूपो का अभ्यास करती रहती हूं

◆ त्रिकालदर्शी

◆ त्रिनेत्री बन रही हूं

◆ क्यों क्या के प्रश्नों के जाल से मुक्त

◆ निर्बंधन हो रही हूं

➳ _ ➳ मैं आत्मा मास्टर नॉलेजफुल हूं

→ माया के हर स्वरुप को

→ जानकर परख कर

◆ मायाजीत बन रही हूं

◆ योगयुक्त अवस्था का अनुभव कर रही हूं

● विजयमाला का मनका बन बाप के दिल का हार बन रही हूं